शासकीय कन्या महाविद्यालय, सीहोर (म.प्र)

औद्योगिक एवं शैक्षणिक भ्रमण

प्रतिवेदन

भ्रमण स्थल

सेल मेन्युफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड मेहतवाडा

एवं

पुष्पगिरी तीर्थ सोनकच्छ

भ्रमण दिनांक : 07/12/2022

सौजन्य :

विश्व बैंक अकादमिक उन्नयन परियोजन **(MPHEQIP)** अंतर्गत

आयोजक :

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं वाणिज्य विभाग

वाणिज्य विभाग औद्योगिक एवं शैक्षणिक भ्रमण
//प्रतिवेदन//

शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर के वाणिजय विभाग द्वारा बी.कॉम. तृतीय वर्ष की छात्राओं को म.प्र. उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना के अन्तर्गत, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गणेश लाल जैन की अनुमति से महाविद्यालय IQAC प्रभारी एवं वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. जया शर्मा के निर्देशन में 38 छात्राओं को सेल मेन्युफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड मेहतवाडा एवं पुष्पगिरी तीर्थ सोनकच्छ का औद्योगिक एवं शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण में विभाग से सहायक प्राध्यापक श्री लखन लाल कलेशरिया, श्री उमेश भावसार, डॉ. भारती सक्सेना, श्री बृजेश विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

सेल मेन्युफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड के निर्देशक श्री प्रवीण तंवर द्वारा भ्रमण के लिए पहुँचे शासकीय कन्या महाविद्यालय सीहोर के दल का स्वागत किया और भ्रमण से संबंधित निर्देश प्रदान किये। श्री तंवर जी ने प्रारंभ में कंपनी की स्थापना से संबंधित जानकारी दी।

सेल मेन्युफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड का समामेलन सलुजा एक्जिम लिमिटेड के रूप में 08 मई 2000 को कंपनी अधिनियम 1956 के अंतर्गत हुआ था और इसने व्यवसाय प्रारंभ करने का प्रमाण पत्र 02 जून 2000 को प्राप्त किया था।

आर.एस. सलुजा समूह की स्थापना घरेलू बाजार में रेडिमेट वस्तु के निर्माण के लिए 1969 में हुई थी। कंपनी ने कुछ ही वर्षो में रूस और मिडिल ईस्ट बाजार में धागे, वस्त्र और रेडिमेट गारमेंट्स के निर्यात में अपनी अच्छी स्थिति निर्मित कर ली। वर्तमान में कंपनी की चार आधुनिक इकाईयां हैं और कंपनी की कार्यक्षमता 50 हजार स्पीन्डर कॉटन यार्म के बुनाई की है।

कच्चे माल (कपास) से धागा (थ्रेड) बनाने की सारी प्रक्रियांए क्रमानुसार इस प्रकार है–

ब्लोरूम

ब्लोरूम – इसके अंतर्गत गठान को खोलकर अच्छे से साफ करना और छोटे छोटे तुकडो में बदला जाता है। अनुपयोगी वस्तु जिसे कंटामिनेशन कहा जाता है रंगीन रेशे, बाल, प्लासटिक के तार, लोहे के तार, लकडी आदि को निकाला जाता है। ब्लोरूम में अलग–अलग प्रकार की कपास जैसे संकर आदि को धागे की क्वालिटि के अनुसार एक निश्चित अनुपात में मिलाकर एक मिक्सिंग तैयार करते है।

कार्डिंग

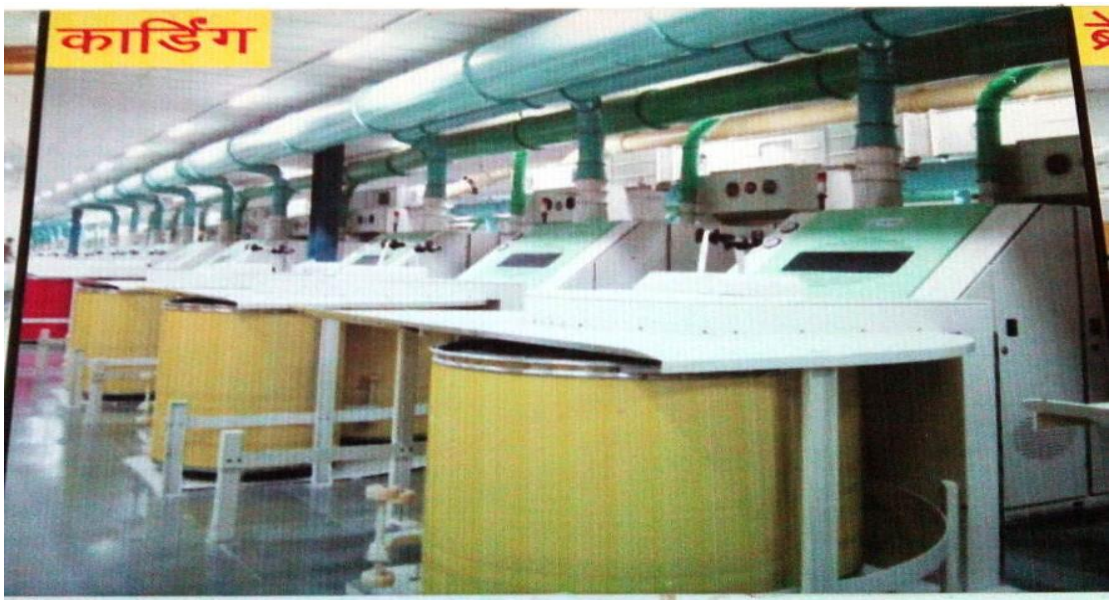

कार्डिंग – इसके अंतर्गत कॉटन में उपस्थित ट्रेस, बीज (सीडकोड्स), छोटे रेशो, खराब रेशो को हटाया जाता है। खुली हुई अच्छी व साफ कॉटन के रेशो को एकत्रित करके उनकी एक मोटी रस्सी बनाई जाती है जिसे स्लाईवर कहते है। कार्डिंग मशीन द्वारा तैयार स्लाईवर को आगे की मशीनो में चलाने के लिए जिस डिब्बे में जमाते है उसे केन कहा जाता है।

ब्रेकर ड्रा फेम

ब्रेकर ड्रा फेम – इसमें कार्ड से स्लाईवर लगाते है उसे ब्रेकर ड्रा फेम कहते है। इसके द्वारा कार्ड मशीन से निकले हुए मोटे और पतले स्लाईवर को आपस में मिलाकर एक समान बनाते है। अलग–अलग कार्डिंग मशीन से निकले स्लाईवर को मिलाकर ओर खींचकर एक समान स्लाईवर बनाते है।

लेप फार्मर

लेप फार्मर – लेप फार्मर में मशीन को ब्रकर ड्रा मशीन के बाद कोम्बेड का माल तैयार करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

कोम्बर

कोम्बर – इस प्रक्रिया में कॉटन की धागा बनने की प्रक्रिया के दौरान आखरीबार सफाई करते है इसका मुख्य कार्य कौटन में से एक निश्चित लम्बाई से कमल लम्बाई वाले रेशे निकालते है तथा डस्ट आदि भी साफ करने है।

फिनिशर ड्रा फ्रेम

फिनिशर ड्रा फ्रेम – इस प्रक्रिम में कोम्बर मशीन से निकले स्लाईवर लगाते है और निकले हुए मोटे और पतले स्लाईवर को आपस में मिलाकर उसकी असमानता को दूर करके समान किया जाता है।

स्पीड फ्रेम

स्पीड फ्रेम – इसके अंतर्गत बनाए गए स्लाईवर को निश्चित खिचाव देकर सुतली के समान रूई की पतली डोरी के रूप में पतला करते है जिसे रोविंग कहते है।

रिंग फ्रेम

रिंग फ्रेम – इसके अंतर्गत धागे को पतला एवं मजबूत करके छल्ले की मद्द से निश्चित ऐंठन तैयार करते है। धागे को आगे वाईंडिंग मशीन में इस्तेमाल करने के लिए प्लास्टिक की छोटी–छोटी ट्यूब (बॉबिन) पर लपेटते है।

लिंक कोनर (CBF) एवं वाईन्डिंग मशीन (21C)

लिंक कोनर (CBF) एवं वाईन्डिंग मशीन (21C) – इसके अंतर्गत रिंग मशीन से बने धागे की क्वालिटी चेक करते है और खराबिया काट कर अलग कर देते है और धागे के दोनो सिरो को एक दूसरे से बिना गठान लगाए हवा के प्रेसर द्वारा जोड़ते है।

पैकिंग

पैकिंग – पैकिंग के अंतर्गत वाईन्डिंग मशीन द्वारा तैयार किए गए कोन में पर्याप्त नमी प्रादान करन एवं कम खर्च में सुंदर, अकर्षक एवं मजबूत पैकिंग तैयार करना। बजार में शिकायत रहित माल भेजना।

प्लांट में भ्रमण पूर्ण होने पर समस्त विद्यार्थियों के साथ ट्रेनिंग हॉल में चर्चा की गई जहा पर श्री प्रवीण तंवर ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हे कौशल विकास हेतु प्रेरित किया। छात्राओ ने अपने अनुभव इस दौरान शेयर करे एवं अंत में महाविद्यालय की ओर से वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री उमेश भावसार ने सेन मेन्यूफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड के निदेशक श्री प्रवीण तंवर एवं समस्त सहयोगियों का आभार माना।

इसके पश्चात भ्रमण हेतु बस द्वारा पुष्पगिरी तीर्थ की ओर प्रस्थान किया गया जहा पर विद्यार्थियों ने भ्रमण कर इसके ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व को जाना, इस स्थल के प्राकृतिक सोंदर्य में विद्यार्थियों ने बहुत आनंद उठाया। लगभग 03:30 बजे छात्राओं का दल वहा से महाविद्यालय हेतु रवाना हुआ। मार्ग में छात्राओं को सोल रिर्सोट पर स्वल्पहार कराया गया।

सायं 05:30 बजे दल महाविद्यालय में वापस आया, जहां पर प्राचार्य से छात्राओं ने अपने अनुभव सांझा किए।